044 सूरह दुखान.

मुख्तसर लफ्ज़ो मे सुरह का खुलासा.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम.

इस मुबारक सूरह का मौजू भी कुरान की तरफ दावत हे, जिस्का नुज़ूल एक मुबारक रात (लेलतुल कदर) मे हुवा हे, उस्पर ईमान लाने वाले ही कामयाबी और जन्नत की नेमतो के मालिक होंगे.

| **अल्लाह के हुक्मो से मुंह फेरने वालो का अंजाम :** अल्लाह तआला का इरशाद हे की ये किताब लैलतुल कद्र मे उतारी गई हे, जिस्मे हर मामले का फैसला हमारे हुकुम से किया जाता हे. ये कुरान इस्लीये नाज़िल किया गया ताकी आपके रब की उस रेहमत की वजह से जो अल्लाह को बन्दो के साथ हे, आप्को नुबुव्वत अता करने वाले हे, ताकी आप्की नुबुव्वत के मुताल्लिक अपने बन्दो को खबरदार करदे. इस कुराने हकीम के उतारने का मकसद बुरे कामो के बुरे नतीजो से डराना हे. ताकी जो लोग गफलत मे पडे हे वो जाग जाये और उस आने वाले कयामत की तैयारी करले. और जब उन काफिरो की पकड होती हे तो केहते हे, ऐ परवरदिगार! हम्से अज़ाब को टाल दे, हम ईमान लाने को तय्यार हे. ये ऐसे गाफिल हे के हकीकत को खोल देने वाला पैगम्बर उन्के पास आया, फिर भी ये उस्की तरफ मुतवज्जिह नही होते. और फिर जब उन्से जरा अज़ाब हटा, तो फिर वोही सब कुछ करने लगते हे, जो पेहले कर रहे थे. उन्को कयामत के दिन पकडा जायेगा और फिर उन्से पूरा पूरा बदला लिया जायेगा. उन्से पेहले

फिरौन की कौम को आज़माया गया. उन्के पास मूसा (अल) तशरीफ लाये. उन्हे हुक्म हुवा के मेरे बन्दो को रातो-रात लेकर निकल जाये. फिरौन के लश्कर वाले इन्का पीछा करेंगे और फिर उस्के बाद वो सारे के सारे डूबा दिये जायेगे. उन्के पास बहुत से बाग, चश्मे, खेत और शानदार महल थे. जो वो यही छोड कर चले गये. बहुत से ऐशो आराम के सामान थे जिन्मे वो लोग मझे कर रहे थे. उन्के जाने के बाद वो सब यही धरे के धरे रह गये. फिर ना आसमान उन्पर रोया और ना ज़मीन, क्युकी उन्के कोई ऐसे अच्छे काम नही थे कि उन्के जाने से किसी को अफसोस हो और फिर उन्के जाने के बाद हमने दूसरो को उस्का वारिस बना दिया.

| फैसले का दिन मुकर्रर हे : और हमने बनी इसराइल को फिरौन के ज़लीलो रुसवा करने वाले अज़ाब से बचा लिया. और उन्को दुनिया की दूसरी कामो पर फज़ीलत दी. लेकिन ये आखिरत के इन्कार करने वाले केहते हे अगर मरने के बाद की ज़िन्दगी बरहक हे तो तुम हमारे बाप दादाओ को ज़िन्दा कर के ले आवो. इन जालिमो को ये मालूम हो जाना चाहिये कि इनसे जियादा ताकतवर मुजरिम हलाक हो चुके हे. और ये कायनात कोई खेल तमाशा नही हे. हमने इस दुनिया को एक मकसद के लिये पैदा किया हे, यकीनन फैसले का दिन मुकर्रर हे, जिस दिन कोई किसी के काम ना आयेगा, सिवाय उस्के जिस्पर अल्लाह खुद रेहम फरमाये.

| परहेज़गारो पर अल्लाह तआला के इनाम : ज़क्कूम का दरख्त गुनेहगारो की खुराक होगी, और तेल की तलछट जैसा खोलता हुवा गरम पानी होगा. फरिश्तो से कहा जायेगा कि इस बागी को पकडो! और जहन्नम मे घसीटते हुवे लेकर जावो, इस्के सर पर खौलता हुवा गरम पानी डाल दो, फिर उन्से मजाक उडाते हुवे कहा जायेगा अरे चौधरी! यही वो अज़ाब हे जिस्के बारे मे तू शक मे मुब्तिला था. अल्लाह से डरने वाले अमन की जगहोमे, बागोमे, चश्मोमे, रेशमी लिबास पहने हुवे आमने सामने बैठे होंगे. वहा उन्की हर ख्वाहिश पूरी होगी. अब दोबारा उन्को मौत ना होगी. अल्लाह उन्को अपने फज़ल से जहन्नम के अज़ाब से बचा लेगा. ए नबी! इस किताब को हमने तुम्हारी अरबी जुबान मे आसान बना दिया हे, ताकी ये लोग उस्से नसीहत हासिल करे, लेकिन इस सब्के बावजूद ये आप्की बात नही मानते तो आप भी उन्के ईमान ना लाने की वजाह से अज़ाब का इन्तेज़ार करो, और वो लोग भी उस्का इन्तेज़ार कर रहे हे की तुम्पर कोई मुसीबत पडे, हालाके नबी पर मुसीबत आनेवाली नही हे.

खुलासा मज़ामीने कुरान उर्दू किताब. | मौलाना मलिक अब्दुर्रउफ साहब.